सदा बाप के दिल में समाने, ख़ुशी की ख़ुराक लेने और सदा के पुरुषार्थ द्वारा उमंग उत्साह से सतयुगी दुनिया लाने की बधाई

१४-१०-१५ की अव्यक्त वाणी के कुछ मुख्य अंश | बाबा ने इन विषयों पर जोर दिया

दिल के सम्बन्ध में कहा : बच्चों की दिल बोल रही है **“मेरा बाबा”**, बापदादा का दिल बोल रहा है **“मेरे बच्चे”** | बच्चों के श्रृंगार को देखकर बापदादा के दिल में आ रहा है **“वाह बच्चे वाह”** | हर एक के दिल में यही शब्द समाये हुए हैं **मेरा बाबा** और बापदादा के दिल में **मेरे बच्चे** | सभी दिल में समाये हुए **दिल के दीपक** हैं |

मिलन के बारे में कहा : यह मिलन कितना **वैल्युएबल, वंडरफुल, न्यारा और प्यारा और बड़ी सुन्दर** है | यह मिलन इस **संगमयुग** पर ही होता है | हर एक के शक्ल में मिलन की लहर दिखाई दे रही है |

नयन के सम्बन्ध में कहा : एक एक बच्चा बाप के नयनों का नूर है इसलिए टाइटल देते हैं **“ नयनों के नूर ”** | याद करने वाले बच्चों के नयनों में बाप समाया हुआ है |

समय के महत्व के बारे में बताया : सारे चक्र की स्मृति आ रही है | अपना युग आने में अभी तो बाकी थोडा समय है | यह समय कितना **वैल्युएबल** है | थोडा समय सेवा के लिए मिला है, **ज्यादा समय नहीं है** |

भविष्य की स्मृति दिलाई : **सतयुग को लाने का आधार आप बच्चों का है | सभी ऐसा युग लाने में बिजी हैं** | वह युग अपना है, अपना युग ला रहें हैं और होना ही है *यह गैरंटी* है | हर एक की सूरत में **अपना भविष्य स्पष्ट है, साथ है और समय भी है** | सब के दिल में **नया युग आने और अपने वतन चलने** का उमंग आ रहा है |

मधुबन की महिमा में कहा : यहाँ ही हमको राज्य करने आना है, अभी तपस्या कर रहे हैं | हमारे लिए राज्य का स्थान भी है, सेवा का स्थान भी है | बाप आया ही है राज्य देने के लिए | दूसरों के राज्य में बहुत टाइम रहे अभी हमारा राज्य इसकी ख़ुशी है |

पुरुषार्थ के सम्बन्ध में कहा : बाप बच्चों के पुरुषार्थ को देख करके खुश होते रहते हैं क्योंकि **जहाँ बाप है वहाँ और कोई बात आ नहीं सकती** | **मेजोरिटी इस धुन में लगे हुए है हमारा युग जल्दी से जल्दी आ जाये लेकिन पुरुषार्थ सदा नहीं है | थोडा सा सदा का हो जाये तो इस आखों से देखेंगे (नया युग) |**

नशा व ख़ुशी की स्मृति दिलाई : **हम हैं क्या और क्या बनने वाले हैं | हम ही थे और हम ही हो रहे हैं | वाह हमारा युग आ गया हमारा राज्य आ गया | अपना राज्य होगा हमारा राज्य होगा | चारों ओर ख़ुशी देखकर कितना अच्छा लग रहा है कोई के दिल में दुःख की लहर नहीं | खुश है तो बीमार नहीं यह ख़ुशी ही खुराक है और खुराक मिले या नहीं मिले यह ख़ुशी की खुराक अच्छी है |**

वाह वाह के गीत : बाबा ने **वाह बच्चे वाह, वाह बाबा वाह, वाह मेरे बच्चे वाह, वाह मीठे बच्चे वाह** के गीत ११ बार दोहराकर सभी बच्चों को उमंग उत्साह में ले आये |

मेरा बाबा मेरे बच्चे की स्मृति : बाबा ने १५-१६ बार एक दुसरे के दिल में **मेरा बाबा, मेरे बच्चे** की स्मृति करायी |

बापदादा की आशाओं को पूर्ण करने हेतु प्यार की शक्ति को अपने जीवन में प्राप्त कर सदा के पुरुषार्थ द्वारा नया राज्य लाने का पुरुषार्थ कर बाप के दिल में स्थान प्राप्त करें ।

दीपावली की हार्दिक बधाई

संगमयुग के इस महान समय में रूहानी मिलन मानते, वाह–वाह के गीत गाते एक बाप का प्यारा व लाडला बनकर दिल में समाने की बधाई |

०३-११-१५ की अव्यक्त वाणी के कुछ मुख्य अंश | बाबा ने इन विषयों पर जोर दिया

बाप और बच्चों का मिलन **रूहानी, अमर बनाने वाला है** | सब के मुख से **वाह वाह** के गीत सुने दे रहा है **वाह बाबा वाह** और बाप भी रेस्पोंड दे रहे हैं **वाह बच्चे** | यही **दिल का आवाज** भी है | बाबा **वाह वाह का संगठन** देख रहा है जो **प्रभु प्यारों** का है | चाहे नंबरवार तो हैं लेकिन हैं वाह वाह ! | **मूल आधार सबका एक है** | हर एक बच्चा बाप का सिकिलधा है और सब के दिल में एक बाप है | **संगमयुग महान** है और इस समय का **मिलन महान** है | बच्चों के लिए **बाप महान** है और बाप के लिए बच्चा अति प्यारा, लाडला है | बच्चे प्यार से कहते **मेरा बाबा** और बाप प्यार से कहते **मेरा बच्चा** | बाप का प्यार लास्ट बच्चे से भी ज्यादा है क्योंकि बाप की याद में बैठते हैं | बाप का देश-विदेश सभी बच्चों के लिए प्यार है और बच्चे भी बाप के **प्यार में**, बाप के **याद की शक्ति** लेके चल रहे हैं, हर एक का **सम्बन्ध बाप से है** | बापदादा ने सभा में हाथ उठवाकर पुष्टि की कि सभा में कोई है **जिसे बाप से प्यार नहीं और अपने पुरुषार्थ से चल रहे हैं ?** बापदादा ही **दिलवर** है | बच्चों का **दिल बाप के साथ है,** बिना बाप के साथ के कोई है ही नहीं |

साथ है साथ रहेंगे |

(बाबा ने वाह वाह के गीत २८ बार दोहराकर सभी बच्चों को प्रोत्साहित किया |)

बापदादा की आशाओं को पूर्ण करने हेतु वाह वाह का संगठन बन एक दिलवर बाप से दिल का हर सम्बन्ध निभाते सच्चे साथ का अनुभव करते अपना व दूसरों की रूहानी ज्योत जगाकर सच्ची दीपावली मनाएं /

बाप और बच्चों का **यह महान, प्यारा और न्यारा मिलन** मनाने की बधाई जो सभी के दिल में सदा बारम्बार दिखाई दें

३१ -१२ -१५ की अव्यक्त वाणी के कुछ मुख्य अंश |

हर एक के चेहरे पर **बाप और बच्चों** के **मिलन की ख़ुशी** नजर आ रही है | हरेक में कोई न कोई **विशेषता** है

जिससे दिल के दुलारे बच्चों का दिल के दुलारे बाप से मिलन है |

यह बाप और बच्चों का मिलन कितना **महान, प्यारा, न्यारा** है जिसका आनंद नयनों में समाया हुआ है | यह

साकार दुनिया में साकार रूप में बाप और बच्चों का मिलन **वंडरफुल है एकजैम्पुल है संगमयुग में मिलन का** |

यह डायरेक्ट मिलन कितना महान, अमूल्य है जिस दिन का इन्तजार करते थे | तो ऐसा मिलन मनाओ जो बाद में इस मिलन का स्वरुप समाया हुआ दिल में सदा बार बार दिखाई दे |

अनुभव हो कि अभी भी मिलन मना रहें है और कितनी ख़ुशी होती है मेरा बाबा मेरे से मिल गया |

आज अव्यक्ति मिलन का अनुभव सभी को करा रहें है | यह मिलन के भाग्य को लेना हर एक को मिलता है लेकिन रीयल में अनुभव करना यह भाग्य की बात है जो भाग्यशाली ही प्राप्त करता है | याद करते थे गीत गाके अभी मिलन मना रहें हैं |

बाप के गीत : "वाह बच्चे वाह" यह मिलन कितना महान है |

बच्चों के गीत : "वाह बाबा वाह" सम्मुख सामने मिलन का मौका दिया, वाह आपके नयनों का मिलन, वाह आपकी रूहानी नज़र हमने तो स्वप्न में भी सोचा नहीं ऐसे मिलन हो सकता है |

वाह मीठा बाबा वाह ! वाह मेरे बच्चे वाह ! मेरा बाबा मेरा बाबा मेरा बाबा यही है ! वाह वाह वाह !

बापदादा की आशाओं को पूर्ण करने हेतु संगमयुग के इस महान प्यारे न्यारे मिलन को सदा बारम्बार दिल में इमर्ज करते हुए अपने भाग्य के नशे और ख़ुशी में रहें |

स्मृति दिवस पर ईश्वरीय में रूचि रखने और फेल न होकर अच्छे रीति से पास होने का लक्ष्य रखने की बधाई |

१८ -१- १६ की अव्यक्त वाणी के कुछ मुख्य अंश |

सभी की बुद्धि में, दिल में मेरा बाबा आ गया, आखों में प्यारा बाबा, मीठा बाबा, मेरा बाबा समा गया है | बाप और बच्चे का विचित्र मिलन हो रहा है | चाहे कोई किस ऐज का हो, बाप और बच्चे गॉडली स्टूडेंट रूप में बैठते हो और टीचर स्वयं भगवान् हमारे लिए विशेष मिलने आया है |

हरेक की शक्ल में कितना प्यार है , बुद्धि में स्टूडेंट की भावना समाई हुई है चाहे बुजुर्ग चाहे छोटा | पढाई में शक्ति कितनी भरी हुई है, कितने प्यार से, रूचि से व ख़ुशी से पढ़ते हैं | बहुत थोड़े हैं जिनका और सब्जेक्ट में अटेंशन चला जाता है | कई विशेष होमवर्क तरफ अटेंशन दे रहें हैं | इस क्लास में बैठे हुए स्टूडेंट की विशेषता और कमाल है पढाई तरफ अटेंशन, मैजारिटी पढने के शौक़ीन, रूचि वाले हैं | हाल में पौने से भी ज्यादा हैं | बाप को भी अच्छा लग रहा है |

टीचर भी पढ़ाने के शौक़ीन अच्छे हैं | पढाई में रूचि हो तो पढाई छोड़ना बुरा लगता | रूचि न हो यह नहीं शोभता | आज की रिजल्ट में पढाई वाले ज्यादा हैं , पढाई शौक से पढ़ रहे हैं | इस क्लास को कहेंगे पास है |

जब भी पेपर देने बैठो, सदा यह दिन याद रखना पास होना ही है फेल कभी नहीं होना | फेल माना फील करने वाले | जो फेल हुए हैं वह जैसे कांध नीचे कर लेते | लक्ष्य यह रखो कि एक भी क्लास मिस नहीं हो क्योंकि स्टूडेंट की सदा एम यही रहती है कि मैं पास हो जाऊं | कोशिश करूंगा नहीं, हो जाऊं | पास तो हो गए लकिन पास तो ना के बराबर ही हुए , एक दो नंबर से या ठीक पास वह हुए |

कोशिश करना नंबर और आगे हो |

बापदादा की आशाओं को पूर्ण करने हेतु सदा गॉडली स्टूडेंट के नशे में रह पढाई के शौक़ीन बन कभी फेल न होने व अच्छे नंबर से पास होने का लक्ष्य रखें |

दिल का सहज मिलन मनाने, दिल द्वारा याद करने तथा पुरुषार्थ द्वारा इस मिलन को आगे बढ़ाने की बधाई

१२ -०२ -१६ की अव्यक्त वाणी के कुछ मुख्य अंश |

एक एक बच्चे की सूरत में बाप की मूर्त देख बाप को भी कितना हर्ष होता है | भारत विदेश दोनों तरफ के बच्चों को साकार में सामने देख बाप कितना खुश होता है |

साकार में बाप और बच्चे का यह मिलन कितना प्यारा है, साधारण नहीं |

भक्ति में भी ऐसे नहीं सोचा था ऐसे प्रभु मिलन हम बच्चों के भाग्य में है | ऐसा बाबा, कलियुग में ऐसी चीज मिले, कितना भाग्य | सारे ड्रामा में, यह मिलन भी विचित्र है, बहुत अमूल्य है |

साइंस वालों को थैंक्स मुबारक देते हैं जो ऐसा मिलन के रास्ते, साधन बहुत अच्छा, सहज बनाया है जो सम्मुख का अनुभव कराते, सामने दिखाई भी देता है, सुनने में भी आता है, सामने भासना देते हैं | किसी भी साधन द्वारा बाप सामने आ जाये, शब्द सुनने में आ जाए जैसे हमारे सामने ही बैठा है, ख़ुशी कितनी होती है | कमाल की है छोटी से कैसेट रख जब चाहे तब आवाज सुनो | और भी कुछ नजदीक का बनाओ, जिसमें बच्चे भी खुश तो बाप भी खुश |

सबसे सहज मिलन दिल का मिलन, सबसे अच्छी याद तो दिल की याद है |

दिल में "बाबा बाबा" ही याद हो, चलते फिरते कुछ भी करते | यह तो अल्प काल के साधन हैं लेकिन सदा आप के साथ हो वह दिल | बाबा को याद करो, इमर्ज रहे यह प्रैक्टिस जरूरी है |

अचानक इम्तहान लेंगे सारे दिन में कितना टाइम याद रहता है ? सहज याद वह जो बिना साधन के दिल में आ जाये , निकालने पर भी न निकले |

सम्मुख मिलन तो हुआ, अभी इसी मिलन जहाँ तक हो सके वहां तक बढ़ाना | यह पुरुषार्थ करते आगे बढ़ते चलो |

बापदादा की आशाओं को पूर्ण करने हेतु कोई इन्वेंशन निकालो जिससे बाबा के और करीब आ जाएँ और सहज और सबसे अच्छे तरीके से दिल का मिलन मनाते हुए इस मिलन को आगे बढ़ाते रहें |

संगम युग के इस छोटे से डायमंड युग म किक जन्म प्राप्त कर परमात्म मिलन, परमात्म जन्म अनुभव करने व सर्व प्राप्ति कर भाग्यवान बनने की बधाई

०७ -०३ - १६ की अव्यक्त वाणी के कुछ मुख्य अंश |

सभी ख़ुशी ख़ुशी वा स्नेह से बाप का जन्म उत्सव (बर्थ डे) मना रहें हैं | हर एक को इस अलौकिक जन्म की बहुत ख़ुशी है क्योंकि यह जन्म सबका न्यारा और प्यारा है यह जन्म स्वयं ब्रह्मा बाप द्वारा ब्रह्माकुमार, ब्रह्माकुमारी नाम से प्रसिद्ध है |

गाया जाता है बाप और आप दोनों का जन्म छोटा है लेकिन प्राप्ति सर्व जन्मों से न्यारी और प्यारी है | संगमयुग को डायमंड युग कहा जाता है क्योंकि इस छोटे से जन्म में सारे जन्म की बातें व अपना भविष्य भी जानते हो |

परमात्म मिलन, परमात्म जन्म अनुभव होता है, सारी प्राप्ति सारे कल्प में इस संगम के जन्म में होती है | अलौकिक सुख, अलौकिक शांति, श्रेष्ठ जन्म, भाग्यवान परिवार ऐसा जन्म इस संगमयुग के एक जन्म का है | बापदादा का पहचान से मिलन, अलौकिक ब्रह्मा बाप का अनुभव होता है | यह संगम का युग बहुत बहुत भाग्यवान है | छोटा सा युग है लेकिन प्राप्ति बहुत है |

सारे युगों में मुख्य युग यह संगम का गाया हुआ है और सारे चक्र का जो रहस्य है वह भी संगम पर ही प्राप्त होता है | संगम का भाग्य जिसने प्राप्त किया वह महान योगी कहलाता है |

संगम पर ही भगवान अपने ओरीज्नल बच्चों को प्राप्त होता है । बाप का प्यार प्रत्यक्ष रूप से संगम पर ही प्राप्त होता है । स्वयं परमात्मा का अवतरण संगम में ही होता है । भगवान खुद आके सारा ज्ञान दे रहे हैं । जैसे अभी दे रहा है, इस देने को कम नहीं समझना । सभी युगों का ज्ञान, सब युगों से श्रेष्ठ कमाई, सारे कल्प का ज्ञान व भाग्य प्राप्त होता है वाह कल्प के भाग्यवान बच्चे वाह ।

<u>*बापदादा की आशाओं को पूर्ण करने हेतु संगमयुग की प्राप्तियों को स्मृति में रख अपने भाग्य के नशे में रहें व नंबर आगे लेने का लक्ष्य रखें* ।</u>

दीपराज के दीपकों के संगठन में व[illegible]ा से भिन्न भिन्न रूप व सम्बन्ध के प्यार से श्रेष्ठ व प्य[illegible]लन मनाने की बधाई

३१ -०३ -१६ की अव्यक्त वाणी के कुछ मुख्य अंश ।

दीपराज कितने बड़े चैतन्य दीपकों के संगठन को देख खुश हो रहे हैं वाह दीप वाह ! इस मिलन की बहुत श्रेष्ठ वैल्यू है क्योंकि संगठन ही चलते फिरते दीपराज और दीपराज के बच्चे दोनों का आपस में मिलना इसका नाम ही दीपावली रखा है दीपकों का मिलन ।
यह थोड़े समय का मिलन है कितना सुन्दर कितना प्यारा है ।
हर एक के दिल में विशेष यही है मेरा बाबा । वाह बाबा वाह ! आपने हर बच्चे को दिल का कोना दे ही दिया है । कोई किस रूप में, कोई किस रूप में, किस समय एक को ही याद कर रहे हैं । बाप और बच्चों का यह मिलन दिल को राहत देने वाला है । सभी के दिल का एक ही आवाज़ है दिल का राजा आ गया ।
साधारण रूप के भी दिल में किस रूप से याद कर रहे हैं उसी रूप से दिखाई दे रहा है । बाप दादा भी साधारण रूप नहीं लेकिन सम्बन्ध के स्वरुप में, बाप और बच्चे के स्वरुप में देख रहे हैं । बाप दादा आप का वही ओरीज्नल रूप देखते हैं और दिल से निकलता वाह बच्चे वाह ! साथीपन और साक्षीपन दोनों ही रूप दिखाई दे रहे हैं ।
भले लास्ट में बैठे है लेकिन हैं सब दिल में हर एक अपने प्यार के नंबर अनुसार उसी जगह पर बैठे हैं ।
सभी का चेहरा बड़ा सुंदर स्नेह में समाये हुए का मेकअप हो जाता है । हर एक का फेस मन की लगन के स्वरुप का प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है ।
थोड़ी गर्मी, पसीना थोडा देना पड़ता है लेकिन बाबा के आगे वह क्या चीज़ ।

भक्ति में क्या कुछ करते हैं, यह तो ज्ञान है ।

<u>*बापदादा की आशाओं को पूर्ण करने हेतु एक बाप से दिल का प्यार व नशे में रहते हुए दिल की लगन से मिलन मनाने का लक्ष्य रखें* ।</u>